पत्र सूचना शाखा

(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

रक्षा मंत्री, भारत सरकार तथा उ0प्र0 के मुख्यमंत्री डॉ0 के0एन0एस0 मेमोरियल हॉस्पिटल (पूर्व में मेयो मेडिकल सेण्टर) की स्थापना के रजत जयन्ती समारोह में सम्मिलित हुए

डॉ0 के0एन0 सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की, हॉस्पिटल की उत्कृष्ट चिकित्सिका डॉ0 देविका नाग को सम्मानित किया

डॉ0 के0एन0 सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल का सिल्वर जुबिली समारोह इस संस्थान की यात्रा का उत्सव ही नहीं, बल्कि समर्पण, सेवा और संकल्प के 25 वर्षों की कहानी भी : रक्षा मंत्री

मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री जी ने केन्द्र सरकार की योजनाओं के साथ ही राज्य सरकार की योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया

उ0प्र0 में तेज एम्बुलेंस सेवा, त्वरित उपचार एवं हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में मुख्यमंत्री जी ने बहुत शानदार काम किया, जिसकी चर्चा भारत के दूसरे राज्यों में भी होती

आज पूर्वांचल के साथ ही पूरे उ0प्र0 में जापानी इंसेफेलाइटिस बीमारी नियंत्रित

आज उ0प्र0 एम0बी0बी0एस0 की सीटों की संख्या के हिसाब से देश का दूसरा तथा मेडिकल कॉलेज की संख्या में देश का नंबर वन राज्य बन गया

सैनिक एवं डॉक्टर दोनों के काम और प्रतिबद्धता में बहुत समानताएं

डॉ0 के0एन0एस0 मेमोरियल हॉस्पिटल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रदेश के नागरिकों को आरोग्यता प्रदान करते हुए राज्य के विकास में अपना योगदान दे रहा : मुख्यमंत्री

हॉस्पिटल की 25 वर्षों की शानदार यात्रा डॉ0 के0एन0एस0 मेमोरियल हॉस्पिटल तथा जनपद बारांबकी में मेडिकल कॉलेज के रूप में आगे बढ़ी

हमारा भारत उस संस्कृति का प्रतीक, जिसने दुनिया को सदैव मार्गदर्शन प्रदान किया और विश्व के लिए आशा की एक किरण बना

स्वास्थ्य सेवाएं प्रतिस्पर्धा के दौर से गुजर रहीं, इस प्रतिस्पर्धा में स्वयं को स्थापित करने के लिए हमें सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी

ऑपरेशन सिंदूर भारत के स्वाभिमान, भारत की मातृशक्ति के सिंदूर की गरिमा और भावी पीढ़ी की सुरक्षा की गारंटी का प्रतीक बना

लखनऊ : 20 मई, 2025

रक्षा मंत्री, भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह जी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी आज यहां डॉ0 के0एन0एस0 मेमोरियल हॉस्पिटल (पूर्व में मेयो मेडिकल

सेण्टर) की स्थापना के रजत जयन्ती समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने डॉ0 के0एन0 सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की एवं हॉस्पिटल की उत्कृष्ट चिकित्सक डॉ0 देविका नाग को सम्मानित किया। उन्होंने हॉस्पिटल की 25 वर्षों की यात्रा पर आधारित पिक्चर गैलरी का अवलोकन किया तथा शिलापट्ट का अनावरण किया।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि 25 वर्ष पूर्व 12 मई, 2000 को उनके द्वारा ही इस अस्पताल का उद्घाटन किया गया था। डॉ0 के0एन0 सिंह के पास एक विजन और सपना था। आज उनका सपना हकीकत बन चुका है। डॉ0 के0एन0 सिंह अमेरिका में एक स्थापित डॉक्टर थे। लेकिन वह सब कुछ छोड़कर भारत आए और सेवा का रास्ता चुना। डॉ0 के0एन0 सिंह अक्सर लखनऊ के आसपास के गांवों में जाते थे। वहां निःशुल्क कैम्प लगाकर जरूरतमंदों को अपनी सेवाएं प्रदान करते थे। जनपद अम्बेडकरनगर में उनके पैतृक गांव के निकट उनके द्वारा स्थापित चिकित्सालय आज भी लोगों की सेवा कर रहा है।

यह अस्पताल लखनऊवासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस अस्पताल ने अनेक लोगों की जिंदगी बचायी है। डॉ0 के0एन0 सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल का यह सिल्वर जुबिली समारोह इस संस्थान की यात्रा का उत्सव ही नहीं है, बल्कि समर्पण, सेवा और संकल्प के 25 वर्षों की कहानी भी है।

हमारे यहां हमेशा से आरोग्य एवं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई है। एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ मन बसता है। लोग जितने स्वस्थ होंगे, देश की प्रगति के लिए उतनी ही ऊर्जा व सक्रियता के साथ काम करने में सक्षम होंगे। हमारे प्राचीन ग्रंथों से लेकर आधुनिक दार्शनिक विचारों तक अच्छे स्वास्थ्य को बहुत महत्व दिया गया है। हमारे यहां अच्छा स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी सम्पत्ति मानी गयी है। विगत 25 वर्षों से इस अस्पताल ने लोगों का इलाज करते हुए उनका भरोसा भी जीता है। इसने लोगों में उम्मीदें भी जगायी हैं।

आज लोग विभिन्न प्रकार की लाइफ स्टाइल डिजीज से जूझ रहे हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में हो रहे बदलाव से हमें कई प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। आंकड़ों के अनुसार आज भारत में लगभग 10 करोड़ से अधिक डायबिटीज के रोगी हैं। 14 करोड़ लोग प्री–डायबिटीज की अवस्था में हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि समय से पहचान और स्वस्थ जीवनशैली से यह मरीज नॉर्मल लाइफ जी सकते हैं। इसलिए हमें अपनी जीवनशैली को संयमित करने की आवश्यकता समझने की जरूरत है। ऐसी अनेक बीमारियां हैं, जिनसे हम बैलेंस लाइफ स्टाइल सुनिश्चित करके लड़ सकते हैं। इस लाइफ स्टाइल के बारे में सर्वाधिक जागरूकता डॉक्टर ही पैदा कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि हमारे समाज में डॉक्टर को भगवान के रूप में देखा जाता है। डॉक्टर ही असली नायक है। डॉक्टर में ही जीवन को बचाने की शक्ति एवं योग्यता दोनों होती है। जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से लड़ रही थी, तब डॉक्टर अपनी जान की परवाह किए बगैर दिन–रात मरीजों की देखभाल कर रहे थे। उस समय डॉक्टरों, नर्सों व

मेडिकल क्षेत्र के अन्य लोगों ने सर्वोच्च मानवीय मूल्यों को दर्शाया था। इसके लिए पूरा देश सदैव उनका ऋणी रहेगा।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं ह्यूमन रिसोर्स दोनों में निवेश करना, हर सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की प्रायॉरिटी में हेल्थ सेक्टर सबसे ऊपर है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में 95,975 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। पिछले वर्षों की तुलना में यह कई गुना अधिक है। हेल्थ सेक्टर में आयुष्मान भारत योजना एक गेम चेंजर साबित हो रही है। अब तक 08 करोड़ से ज्यादा लोग इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। केन्द्र सरकार ने इसके लिए अब तक सवा लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

पूरे देश में 14,000 से अधिक जन औषधि केन्द्र खोले जा चुके हैं। जहां जेनेरिक मेडिसिन 50 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक सस्ती उपलब्ध होती है। हमने पैक्स के साथ मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी जन औषधि केंद्र खोलने की शुरुआत कर दी है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी किफायती दवाएं उपलब्ध कराई जा सके। हमने हेल्थ सेक्टर में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर भी पर्याप्त ध्यान दिया है। विगत 10 वर्षों में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर एवं डॉक्टर की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के पहले देश में जहां 387 मेडिकल कॉलेज थे, वहीं वर्ष 2024 में इनकी संख्या बढ़कर 780 तक पहुंच गई है। इसी प्रकार एम0बी0बी0एस0 की सीटों की संख्या में भी 130 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। वर्ष 2014 से पहले की 50,000 एम0बी0बी0एस0 सीटें अब बढ़कर लगभग 1,20,000 हो गई है।

मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री जी ने केन्द्र सरकार की योजनाओं के साथ ही राज्य सरकार की योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया है। उत्तर प्रदेश में तेज एम्बुलेंस सेवा, त्वरित उपचार एवं हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में मुख्यमंत्री जी ने बहुत शानदार काम किया है, जिसकी चर्चा भारत के दूसरे राज्यों में भी होती है।

वर्ष 2017 के पूर्व पूर्वांचल एवं गोरखपुर के क्षेत्र में जुलाई से लेकर मानसून के महीनों में जापानी इंसेफेलाइटिस से कई बच्चों की मृत्यु होती थी। ऐसा विगत 40 से 50 वर्षों से हो रहा था। पूर्व की सरकारों ने इसे नियति का खेल मान लिया था। वर्ष 2017 में जब मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनी, तो अगले कुछ वर्षों में पूरी तस्वीर ही पलट गई। मुख्यमंत्री जी ने इस भयानक रोग पर लगाम लगाने का प्रण लिया और इसके लिए युद्ध स्तर पर कार्य प्रारम्भ किया। मुख्यमंत्री जी ने स्वयं हर स्तर पर इसकी मॉनीटरिंग की। परिणामस्वरूप आज पूर्वांचल के साथ ही पूरे उत्तर प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस बीमारी नियंत्रित हो चुकी है।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश प्रत्येक जनपद में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज उत्तर प्रदेश

एम0बी0बी0एस0 की सीटों की संख्या के हिसाब से देश का दूसरा तथा मेडिकल कॉलेज की संख्या में देश का नंबर वन राज्य बन गया है। प्रदेश में 80 मेडिकल कॉलेज क्रियाशील हैं। इनमें 44 सरकारी तथा 36 निजी क्षेत्र द्वारा संचालित है। केन्द्र में प्रधानमंत्री जी तथा उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सरकार निरन्तर आपके हित में प्रयास करती रहेगी।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि चिकित्सकों के पास रोग ठीक करने के साथ ही रोगी के जीवन को बदलने की ताकत भी होती है। आप हमेशा अपने मरीज को सबसे पहले रखें, उसे समय दें, उसकी बात सुनें और उसके दर्द को समझें। आप एक ऐसे प्रोफेशन से जुड़े हुए हैं, जो हर दिन बदल रहा है। इसलिए आपके लिए हर दिन कुछ नया सीखना आवश्यक है। आपकी सेवा भावना और समर्पण देश के लिए अमूल्य है।

भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों के ठिकाने पर सफलता पूर्वक प्रहार किया और बड़ी संख्या में आतंकवादियों का सफाया करने में कामयाबी हासिल की। भारतीय सेना ने एक कुशल डॉक्टर एवं सर्जन की तरह कार्य किया। सेना ने सटीकता से आतंकवाद की जड़ों पर अपने हथियारों का इस्तेमाल किया। भारतीय सेना ने जो कार्रवाई की, उसमें इस बात का पूरा ध्यान रखा कि पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर ही प्रहार किया जाए और नागरिक ठिकानों पर कोई अटैक न हो।

सैनिक एवं डॉक्टर दोनों के काम और प्रतिबद्धता में बहुत कुछ समानताएं होती हैं। दोनों ही आम नागरिक की रक्षा करते हैं। एक स्वास्थ्य की रक्षा करता है, तो दूसरा राष्ट्र की रक्षा करता है। दोनों को बहुत ही नाजुक परिस्थितियों में बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि हम भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं। यह हमारे प्रधानमंत्री जी का संकल्प है। भारत विकसित राष्ट्र तभी बनेगा, जब उसके नागरिक स्वस्थ होंगे। इसलिए स्वाभाविक रूप से डॉक्टरों की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। कोई भी राष्ट्र विकसित तभी बनेगा जब उसके नागरिक स्वस्थ होंगे। भारत तथा उत्तर प्रदेश की सरकार आपके विकास, स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए काम कर रही है। आप सभी एक अच्छी जीवन शैली अपनाएं।

मुख्यमंत्री जी ने डॉ0 के0एन0एस0 मेमोरियल हॉस्पिटल की स्थापना की रजत जयन्ती की बधाई देते हुए कहा कि वर्ष 2000 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने इस हॉस्पिटल की आधारशिला रखी थी। हॉस्पिटल की 25 वर्षों की यह शानदार यात्रा आज यहां डॉ0 के0एन0एस0 मेमोरियल हॉस्पिटल तथा जनपद बारांबकी में मेडिकल कॉलेज के रूप में आगे बढ़ी है। यह संस्थान स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रदेश के नागरिकों को आरोग्यता प्रदान करते हुए राज्य के विकास में अपना योगदान दे रहा है। जीवन में उन्नति की राह यही होती है। यही हमारी संस्कृति भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बीज का वृक्ष बन जाना संस्कृति का प्रतीक है, वहीं बीज का सड़–गल कर समाप्त हो जाना विकृति का प्रतीक है। हमारा भारत उस संस्कृति का प्रतीक है, जिसने दुनिया को सदैव मार्गदर्शन प्रदान किया है और विश्व के लिए आशा की एक किरण बना है। वहीं पाकिस्तान विकृति का प्रतीक है, इसकी नियति मरना है। चाहे वह भारत के हाथों मरे या अपने द्वारा पल्लवित और पोषित आतंकवादियों के कृत्यों से मरे, पाकिस्तान का समाप्त होना तय है।

स्वास्थ्य सेवाएं प्रतिस्पर्धा के दौर से गुजर रही हैं। इस प्रतिस्पर्धा में स्वयं को स्थापित करने के लिए हमें सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। यदि इस क्षेत्र में संवेदना ना हो, तो एक चिकित्सक के प्रति आम जनमानस में विश्वास डगमगाएगा। आप सभी चिकित्सकों को इस विश्वास को डगमगाने नहीं देना है। 25 वर्षों की एक शानदार यात्रा के दौरान यह संस्थान न केवल मेडिकल क्षेत्र में, बल्कि प्रदेश के विकास में भी अपना योगदान दे रहा है। सैकड़ों छात्र–छात्राएं आज यहां स्नातक, परास्नातक और सुपर स्पेशियलिटी की डिग्री के लिए प्रवेश लेते हैं और लोगों के आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य करते हैं। डॉ0 के0एन0 सिंह की दूरदर्शिता और रक्षा मंत्री जी के कर–कमलों से जो बीजरोपण किया गया था, आज वह वटवृक्ष के रूप में लखनऊ और प्रदेशवासियों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने ऑपरेशन सिंदूर के उपरान्त पहली बार लखनऊ आगमन पर रक्षा मंत्री जी का अभिनंदन करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के स्वाभिमान, भारत की मातृशक्ति के सिंदूर की गरिमा और भावी पीढ़ी की सुरक्षा की गारंटी का प्रतीक बना है। भारत ने अपनी आन–बान–शान की रक्षा करने के लिए वह सब कुछ किया, जिसके लिए प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों को आश्वस्त किया था। रक्षा मंत्री जी के नेतृत्व में भारत के बहादुर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से अपने शौर्य, पराक्रम तथा बहादुरी के साथ दुश्मन को ठिकाने लगाने का काम किया है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जे0पी0 एस0 राठौर, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, सांसद श्री सुधांशु त्रिवेदी व श्री दिनेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अमेरिकी दूतावास के चीफ ऑफ अमेरिकन सिटीजन सर्विसेज़ श्री टिमोथी गिलिन व विशेष सलाहकार सेवा विशेषज्ञ श्री सुरेश के0 मदान एवं डॉ0 के0एन0एस0 मेमोरियल हॉस्पिटल के चिकित्सक एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

——————

PN-CM-Dr. KNS Memorial Hospital-20 May, 2025